आकाशवाणी श्री विजयपुरम

10.03.2025 समय : 1850

- बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला दिन–वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने लोकसभा में अनुपूरक अनुदान मांग पेश की।

- गाराचरमा स्थित डाइट की भारत स्काउट्स एंड गाइड्स इकाई की ओर से ट्रैकिंग–कम–टूर गतिविधि आयोजित।

- अंडमान निकोबार यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सभी चार पहिया वाहन चालकों को अपने वाहनों में डैश कैमरे लगाने की सलाह दी।

- कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से निकोबारी समुदाय की भाषा, परम्पराओं और पहचान को संरक्षित करने के लिए पुस्तक प्रकाशित की जाएगी ।

<><><><><><><>

बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन आज संसद के दोनों सदनों में शोर–शराबा हुआ। तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अमल को लेकर लोकसभा में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की टिप्पणी पर डीएमके और कांग्रेस सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा सरकार ने चालू वित्त वर्ष में इक्यावन हजार चार सौ बासठ करोड़ रुपए अतिरिक्त व्यय करने के लिए संसद से अनुमति मांगी हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने आज लोकसभा में दूसरे चरण की अनुपूरक अनुदान मांग पेश की। अतिरिक्त व्यय में उर्वरक सब्सिडी के लिए बारह हजार करोड़ रुपए और एकीकृत पेंशन योजना सहित सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन के लिए तेरह हजार चार सौ उन्चास करोड़ रुपए शामिल हैं। कुल व्यय में रक्षा पेंशन के लिए आठ हजार चार सौ छियहत्तर करोड़ रुपए और दूरसंचार विभाग को पांच हजार तीन सौ बाईस करोड़ रुपए भी शामिल हैं। सरकार ने कहा है कि ई–श्रम पोर्टल पर तीस करोड़ अड़सठ लाख से अधिक असंगठित कामगार पंजीकृत हो चुके हैं। असंगठित कामगारों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए वर्ष दो हजार इक्कीस में यह पोर्टल शुरू किया गया था। लोकसभा में आज श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि कुल पंजीकृत कामगारों में तिरपन प्रतिशत से अधिक महिलाएँ हैं। उन्होंने कहा कि अब तक विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की तेरह योजनाओं को ई–श्रम के साथ एकीकृत किया गया है। इसमें पीएम–स्वनिधि, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण और आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शामिल हैं।

<><><><><><><>

देश में चौवनवां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। यह सप्ताह हर वर्ष चार से दस मार्च के बीच मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय है 'विकसित भारत के लिए सुरक्षा और स्वास्थ्य महत्वपूर्ण'। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा सावधानियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

<><><><><><><>

गाराचरमा स्थित डॉ. एस राधाकृष्णन ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की भारत स्काउट्स एंड गाइड्स इकाई की ओर से एक दिवसीय ट्रैकिंग–कम–टूर गतिविधि का आयोजन किया गया। पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ग्यारह स्काउट मास्टर्स, गाइड कैप्टन और संकाय सदस्यों के साथ उनसठ प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। ट्रैकिंग को डाइट के प्रोफेसर पवन एस. पयाती ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्काउट मास्टर सी जेम्स ने कहा कि

पर्यावरणीय जिम्मेदारी और शारीरिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ऐसी गतिविधियां महत्वपूर्ण है। गाइड कैप्टन के समन्वय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ट्रैकिंग, पक्षी अवलोकन, सफाई अभियान और प्राकृतिक जानकारी सहित कई गतिविधियाँ शामिल थीं।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सभी चार पहिया वाहन मालिकों को अपने वाहनों में डैश कैमरे लगाने की सलाह दी है। इस पहल का उद्देश्य सड़क अनुशासन में सुधार करना, दुर्घटना की जांच में सहायता करना और विवाद या उल्लंघन के मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रदान करना है। डैश कैमरा में वास्तविक समय की फुटेज रिकॉर्ड होती हैं, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लापरवाह ड्राइविंग, हिट–एंड–रन और अन्य यातायात से संबंधित अपराधों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं। रिकॉर्ड किए गए फुटेज का उपयोग बीमा दावों, कानूनी कार्यवाही और समग्र सड़क सुरक्षा अनुपालन में सुधार के लिए भी किया जा सकता है। सभी वाहन मालिकों, विशेष रूप से वाणिज्यिक और यात्री वाहनों का संचालन करने वाले वाहन मालिकों को अपने वाहनों में जल्द से जल्द डैश कैमरे लगाने को कहा गया है। यातायात पुलिस की ओर से इस सुरक्षा उपाय को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान का आयोजन भी किया जाएगा।

इस बीच, परिवहन निदेशालय की ओर से तेरह मार्च को सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। ओग्राब्राज के सामुदायिक हॉल में सुबह नौ बजे से शिविर आयोजित होगा। शिविर में परिवहन निदेशालय द्वारा लर्निंग लाइलेंस टेस्ट, रोड टैक्स और ड्राइविंग लाइलेंस नवीनीकरण जैसी विभिन्न सेवाएं भी प्रदान की जाएगी।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से 'मसालों, सुपारी और औषधीय पौधों के क्षेत्र में द्वीपसमूह के युवाओं और महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर' पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। केरल के कोझीकोड स्थित सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय और कासरगोड स्थित अखिल भारतीय समन्वित वृक्षारोपण फसलों पर अनुसंधान परियोजना के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि सचिव पल्लवी सरकार ने किया। इस अवसर पर क्यारी के निदेशक डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने उत्पादन की मात्रा बढ़ाने और कुशल विपणन के लिए उपज का एकत्रीकरण पर जोर दिया। उन्होंने उद्यमियों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उद्यमों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उचित पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विज्ञापन पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। डॉ. चाकुरकर ने कहा कि क्यारी स्थानीय हितधारकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है, ताकि इन द्वीपों में कृषि उद्यमिता विकसित की जा सके। इस अवसर पर द्वीप सिनरब तकनीक का लाइसेंस लेने वाली युवा उद्यमी आर. कार्तिका देवी को सम्मानित किया गया।

<><><><><><><>

कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से निकोबारी समुदाय की भाषा, परम्पराओं और पहचान को संरक्षित करने के उद्देश्य से एक पुस्तक प्रकाशित की जाएगी, जिसमें समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया जाएगा। इसके लिए प्रशासन द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसमें निकोबार जिले के छात्र, शिक्षक, जनजातीय सदस्य और सरकारी कर्मचारी भाग ले सकेंगे। लोक कथाएं और लोक गीत श्रेणियों में प्रतिभागियों की प्रविष्टियां निकोबारी भाषा में होगी, जिनका अंग्रेजी या हिन्दी में अनुवाद अनिवार्य होगा। विजेताओं को दस हजार, आठ हजार और पांच हजार रूपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा

दो हजार रूपए के पांच सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। सभी प्रमाणित प्रविष्टियां एक पुस्तक में संकलित की जाएगी, जिसे एक मई को प्रकाशित किया जाएगा। प्रतियोगिता इक्कतीस मार्च तक चलेगी। यह पहल निकोबारी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार, सभी विभागों में तिमाही मॉक ड्रिल अनिवार्य किया है। इस सिलसिले में आज आपदा प्रबंधन निदेशालय ने सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय में बनावटी अभ्यास का आयोजन किया। इस अभ्यास में निदेशालय के कर्मचारियों और अन्य संबंधित विभाग ने भाग लिया। अभ्यास की समाप्ति के बाद डीब्रीफिंग सत्र का आयोजन हुआ। इसमें संसाधन विभागों के पर्यवेक्षकों ने अपने अवलोकन साझा किए। उन्होंने सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय की आपदा तैयारी को बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर जोर दिया।

<><><><><><><>